QP CODE: 25047215

25047215

Reg No : ....

Name : ....

MA DEGREE (CSS) EXAMINATION, NOVEMBER 2025

Third Semester

M A HINDI

Core Course - HN010301 - MODERN POETRY - I

2019 ADMISSION ONWARDS

CD30996B

Time: 3 Hours | Weightage: 30

Part A

I.किन्हीं **आठ** प्रशनों के उत्तर लिखिए :

1. द्विवेदी युगीन राजनैतिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
2. आज मैं अकेला हूँ ' कविता में अभिव्यक्त प्रगतिवादी स्वर।
3. महाकवि मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. कामायनी का मनोवैज्ञानिक आधार |
5. कुकुरमुत्ता' कविता का मूल स्वर क्या है ?
6. जलियांवालाबाग में वसंत ' कविता का सारांश लिखिए।
7. सत्य' कविता का सन्देश क्या है ?
8. "पन्त जी शब्दों के शिल्पकार हैं" - समर्थन कीजिए।
9. महादेवी वर्मा के वैयक्तिक और साहित्यिक जीवन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10. पुरूरवा की चरित्रगत विशेषतायें।

(8×1 = 8 weightage)

Part B

II.किन्हीं **छः** प्रशनों के उत्तर लिखिए :

11. " विफल जीवन व्यर्थ बहा बहा , सरस दो पद भी न हुए हहा ! कठिन है कविते ,तब भूमि ही, पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा !" - व्याख्या कीजिए।
12. " यही ठीक , टंकार सोती रहे, सभी ओर झंकार होती रहे। सुनो, किन्तु है लोभ संसार में , इसी हेतु है क्षोभ संसार में। " - व्याख्या कीजिए।
13. " अरी व्याधि की सूत्र-धारिणी - अरी आधि, मधुमय अभिशाप ! हृदय-गगन में धूमकेतु-सी, पुण्य-सृष्टि में सुन्दर पाप। मनन करावेगी तू कितना ? उस निश्चिन्त जाति का जीव - अमर मरेगा क्या ? तू कितनी गहरी डाल रही है नींव। " - व्याख्या कीजिए।

14. "चेतन का साक्षी मानव हो निर्विकार हँसता - सा , मानस के मधुर मिलन में गहरे - गहरे धँसता - सा सब भेद-भाव भुलवा कर दुख-सुख को दृश्य बनाता, मानव कह रे ! यह मैं हूँ,यह विश्व नीड बन जाता। " - व्याख्या कीजिए।

15. “अब, सुन बे, गुलाब, भूल मत जो पायी खुशबु, रंग-ओ-आब, खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट, डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट ! " - व्याख्या कीजिए।

16. " नहीं बजती उसके हाथ में कोई वीणा, नहीं होता कोई अनुराग-राग-आलाप, नूपुरों में भी रुन-झुन रुन-झुन नहीं, सिर्फ़ एक अव्यक्त शब्द-सा 'चुप चुप चुप'। " - व्याख्या कीजिए।

17. " वह फटी–फटी आँखों से टुकुर–टुकुर ताकता रहता है सारा दिन, सारी रात कोई भी सामने से आए– जाए सत्य की सूनी निगाहों में जरा भी फर्क नहीं पड़ता। " - व्याख्या कीजिए।

18. " सुख आये दुख आये दिन आये रात आये फूल में कि धूल में आये जैसे जब आये सुख दुख एक भी अकेले सहा नहीं जाता। " - व्याख्या कीजिए।

(6×2 = 12 weightage)

Part C

III.किन्हीं **दो** प्रशनों के उत्तर लिखिए :

19. प्रगतिवाद की परिस्थितियों तथा काव्यगत विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

20. साकेत' महाकाव्य के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त जी की काव्य कुशलता पर विचार कीजिए।

21. "कामायनी में काव्य,दर्शन और मनोविज्ञान का एकत्र समाहार है " - इस कथन की समीक्षा कीजिए।

22. सुमित्रानंदन पन्त की गरिमामय साहित्य साधना एवं सृजनशीलता पर आलोचनात्मक निबंध प्रस्तुत कीजिए।

(2×5 = 10 weightage)